सफलता की कहानी

कृषक का नाम	: श्रीमती अलादी मुर्मू
पिता/पति का नाम	: फागु मुर्मू
ग्राम	: तिलाबनी
पंचायत	: जुगीशोल
पोस्ट	: पान्डुदा
प्रखंड	: धालभूमगढ़
जिला	: पूर्वी सिंहभूम
मोबाइल नं0	: 9955475613

सब्जी ने बनाया अलादी को लखपति

श्रीमती अलादी मुर्मू प्रगतिशील महिला किसान है। उनके परिवार में कुल 6 सदस्य है। परिवार में सास–ससूर, जेठ, जेठानी सभी एक साथ रहते हैं। संयुक्त परिवार के सभी सदस्य साथ मिलकर सालों भर मौसम आधारित खेती करते है। इनके पास खेती योग्य 3.50 एकड़ जमीन है। इनमें से धान की खेती के साथ–साथ सब्जी की खेती करते है। पहले से ये पंरपरागत तरीके से धान की खेती करते आ रहे है जिसे सालों भर खाने के लिए अन्न की कमी नहीं होती। अलादी मुर्मू आत्मा कृषि विभाग से जुड़कर उन्नत तकनीक के माध्यम से किए जाने वाले खेती–बाड़ी एवं उससे होने वाले किसानों को लाभ एवं उन्नत तकनीक कृषि प्रणाली के बारे में जानकारी मिली।

टपक सिंचाई एवं मल्चिंग विधि से सब्जी की खेती

धान की खेती करने के साथ–साथ अलादी दो एकड़ जमीन पर बैगन लगाई है। 12,000 रूपये में बैगन का पौधा धालभूमगढ़ के चिरूगोड़ा स्थित किसान बैजु हेम्ब्रम के नर्सरी से खरीदी। बैगन के साथ बरबटी, लौकी एवं मूली का काफी मात्रा में खेती की है। सब्जियों की बिक्री स्थानीय बाजार के साथ–साथ बंगाल में थोक भाव में बेचती है। सिर्फ बैगन की बिक्री से 40,000/– रूपये आमदनी हुआ। सिंचाई के लिए टपक सिंचाई की व्यवस्था है। टपक सिंचाई एवं मल्चिंग विधि से सब्जी की खेती करने से इन्हें अच्छा उत्पादन प्राप्त हो रहा है। अलादी मुर्मू का पूरा परिवार खेती कार्य में सहयोग करता है, खेती से ही पुरा परिवार का भरण–पोषण होता है। इसके साथ खेती कार्य में तीन मजदूर रोजाना कार्य करते हैं। सालों भर सब्जी की खेती से मुनाफा होने से आर्थिक तंगी की स्थिति कभी नहीं हुई। धान की खेती कर चावल खाने भर बचने के बाद 30,000/– रूपये का धान बेची है। साल भर में सब्जी की खेती से खर्च को छोड़कर लगभग दो लाख तक की आमदनी अलादी मुर्मू को हो जाती है।

सब्जी बागान के अंदर प्रत्येक 30 फीट की दूरी पर जगह–जगह आम के 50 पौधे लगाई है जो आने वाले मौसम में उनके लिए आय का दूसरा स्रोत साबित होगा।

चुका हाइटेंशन तार को दुरुस्त करने की दिशा में पहल नहीं हो रही है. पाटपुर जगह बिजली का तार जर्जर हो चुका है. साथ ही कई सारे बिजली के खंभे भी बिजली विभाग के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं.

पर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष धनंजय करुणामय, सचिव बलराम महतो, बबलू मुर्मू, निर्मल महतो, साधु नायक, अमल गोप, कालिदास हेंब्रम, मदन बेरा आदि उपस्थित थे.

टीकाकरण केंद्रों पर 371 लोगों ने कोरोना का टीका लिया.

धालभूमगढ़ प्रखंड की जुगीशोल पंचायत के तिलाबनी गांव को सब्जी की खेती से मिली प्रसिद्धि

सब्जी की खेती कर लाखों रुपये कमा रहीं अलादी मुर्मू

प्रतिनिधि, धालभूमगढ़

धालभूमगढ़ प्रखंड की जुगीशोल पंचायत के तिलाबनी गांव की अलादी मुर्मू प्रगतिशील महिला किसान बन कर छह सदस्यों के संयुक्त परिवार के साथ सालों भर मौसम आधारित खेती कर रही है. सब्जी की खेती से अलादी मुर्मू हर साल लाखों कमा रही हैं. वहीं सब्जी की खेती कर स्थानीय बाजार के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में थोक व्यापार कर रही हैं. अलादी बताती हैं कि खेती योग्य 3.50 एकड़ भूमि पर पहले से उनका परिवार परंपरागत ढंग से धान की खेती करते आ रहा है. उन्होंने बताया कि कृषि विभाग से जुड़कर उन्नत तकनीक से की जाने वाली खेती-बाड़ी और कृषि की उन्नत तकनीक की जानकारी मिली. इसके बाद उनका रुझान सब्जी की खेती की ओर आगे बढ़ा. आज सब्जियों की खेती कर हर साल लाखों कमा रही हूं.

सब्जी की खेती दिखाती प्रगतिशील किसान अलादी मुर्मू.

कम लागत में अधिक लाभ : धान की खेती के साथ-साथ प्रयोग के तौर पर अलादी मुर्मू ने पहले दो एकड़ भूमि पर बैगन की खेती की. 12 हजार रुपये की लागत आया और 40 हजार रुपये की आमदनी हुई. इसके बाद उन्होंने बरबटी, लौकी और मूली की खेती की. उन्होंने बताया कि पूरा परिवार खेती कार्य में सहयोग करता है. इसके साथ ही खेती कार्य से तीन लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ है.

बागान में आम के 50 पौधे भी लगाये

अलादी मुर्मू कहती हैं कि सालों भर सब्जियों की खेती करने से आर्थिक तंगी की समस्या खत्म हो गयी है. सब्जियों की बिक्री स्थानीय बाजार के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में थोक भाव में करती हैं. टपक सिंचाई और मल्चिंग विधि से सब्जियों की खेती करने से उन्हें बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है. अलादी ने बताया कि धान की खेती से उन्हें 30 हजार रुपये का मुनाफा हुआ. वहीं सालों भर सब्जियों की खेती से खर्च को छोड़ कर लगभग दो लाख रुपये की आमदनी हो जाती है. सब्जी बागान के अंदर प्रत्येक 30 फीट की दूरी पर जगह-जगह आम के 50 पौधे भी लगाये हैं, जो आने वाले मौसम में उनके लिए आय का दूसरा स्रोत साबित होगा.

पेशेवर ढंग से सब्जियों की खेती करें, इसमें लाभ ही लाभ

अलादी मुर्मू कहती हैं कि खेती-किसानी का कार्य पेशेवर ढंग से किया जाये, तो आय का अच्छा स्रोत बन सकता है. किसान हित में कई कल्याणकारी योजनाएं कृषि विभाग द्वारा चलायी जा रही है. इसका लाभ किसान जरूर लें. साथ ही कृषि विभाग की ओर से समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर उन्नत तकनीक की जानकारी दी जाती है. इसका किसान लाभ लें और खेती कर आत्मनिर्भर बनें.